

## अटल प्रोग्रेस-वे, भारतमाला फेज-1 में शामिल

### चर्चा में क्यों?

19 अगस्त, 2021 को भारत सरकार के **राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन** मंत्रालय ने मध्य प्रदेश की महत्त्वाकांक्षी **अटल प्रोग्रेस-वे** परियोजना को **भारतमाला फेज-1** में शामिल करने की अधिसूचना जारी की।

### प्रमुख बटु

- चंबल संभाग के भडि, मुरैना तथा शयोपुर ज़िलों से होते हुए चंबल नदी के कनारे-कनारे यह पूरणतः नया एक्सप्रेस-वे मध्य प्रदेश में **404 किलोमीटर लंबाई** का होगा, जो पूरव में झाँसी (उत्तर प्रदेश) से पश्चिम में कोटा (राजस्थान) को जोड़ते हुए नरिमति कथि जाएगा।।
- मुख्यमंत्री ने कहा है कि अटल प्रोग्रेस-वे ग्वालियर-चंबल संभाग के वकिस की जीवनरेखा साबति होगा। इस 404 किलोमीटर लंबाई के एक्सप्रेस-वे के आस-पास **इंडस्ट्रियल कॉरडोर** का नरिमाण कराया जाएगा, जो क्षेत् के आर्थिक वकिस की महत्त्वपूरण कड़ी बनेगा।
- उल्लेखनीय है कि इस मार्ग के नरिमाण से झाँसी (उत्तर प्रदेश) से कोटा (राजस्थान) का एक प्रमुख नया मार्ग जुड़ेगा, जो मध्य प्रदेश के 3 ज़िलों को लाभान्वति करेगा। इन दोनों बटुओं की दूरी में भी लगभग 50 किलोमीटर की बचत होगी। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से आवागमन में लगने वाला 11 घंटे का समय घटकर 6 घंटे हो जाएगा।
- एक्सप्रेस-वे में लगने वाली समस्त भूमि राज्य शासन द्वारा अपने व्यय पर उपलब्ध कराई जा रही है। इस परियोजना पर लगभग 7000 करोड़ रुपए का व्यय संभावति है। इस एक्सप्रेस-वे को 7 वभिन्न पैकेजों के माध्यम से बनाए जाने की तैयारी है।
- इस परियोजना का नरिमाण **एन.एच.ए.आई.** द्वारा कथि जाएगा। अटल प्रोग्रेस-वे के लयि राज्य शासन द्वारा रकिॉर्ड 4 महीने में डीपीआर बनाकर भारत सरकार के समकष प्रसतुत कथि गया। लगभग 1500 हेक्टेयर शासकीय भूमिका हस्तांतरण भी रकिॉर्ड समय में पूरण क **राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय (एन.एच.ए.आई.)** को आधपित्य दथि जा चुका है।